


---

# Jaigishavyaproktam Shivanama Stotram

——  
जैगीषव्यप्रोक्तं शिवनामस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Jaigishavyaproktam Shivanama Stotram

File name : jaigISHavyaproktaMshivanAmastotram.itx

Category : shiva, shivarahasya, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhImAkhyah aShTamAMshah | adhyAyaH 1

jaigISHavyaprashne skandadhyAnam | 17-28||

Latest update : July 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 5, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Jaigishavyaproktam Shivanama Stotram

---

### शैगीषव्यप्रोक्तं शिवनामस्तोत्रम्

---



(शिवरुद्रस्थान्तर्गते लीमाष्ये)

पुरुषं परमेशानं सर्वभूतगुडाशयम् ।

व्याप्य व्यापकताडीनं कारणानां य कारणम् ॥ १७ ॥

पत्नीनां पतिमीशानमुमापतिमनामयम् ।

गणानां य पति देवं शिवं गुत्सपतिं प्रभुम् ॥ १८ ॥

कुलुग्यानां पतिं शम्भुं उरं प्रातपतिं विभुम् ।

दृशां य पतिमीशानमुग्रं देवं उपर्दिनम् ॥ १९ ॥

अम्बिकेशं पशुपतिं पथीनां पतिमीश्वरम् ।

अन्नानां य पतिं देवं बभ्रुशं मीढुषं शिवम् ॥ २० ॥

भवोद्भवं मडादेवं पुष्टानां पतिमीश्वरम् ।

जगतां पतिमाशास्यं वनानां य पतिं भवम् ॥ २१ ॥

क्षेत्राणां य पतिं लीमं वृक्षाणां शर्वमीश्वरम् ।

कक्षाणां य पतिं व्योमकेशं कोशादिवर्जितम् ॥ २२ ॥

जगतां यैव विश्वेशमोषधीनां मलेश्वरम् ।

पत्नीनां मेरुधनुषं सत्वानां बाणधारकम् ॥ २३ ॥

सडमानं मडेशानमाव्याधिपतिमीश्वरम् ।

सर्वेषां तस्थुषाणां (षां यैव) य जङ्गमानां पतिं प्रभुम् ॥ २४ ॥

--

सर्वैश्वर्येण सम्पन्नं नाम्ना सर्वेश्वरं शिवम् ।

अनामरुपं देवेशं सर्वावासं य दूरगम् ॥ २५ ॥

सर्वभूतैकशरणं शरण्यं शरणार्थिनाम् ।

मडाकारुणिकं साम्भं भक्तानामभयप्रदम् ॥ २६ ॥

सर्वेन्द्रियार्थसहितं विषयादिविवर्जितम् ।

सर्वेन्द्रियगुणातीतं सर्वाधारमनामयम् ॥ २७ ॥

सर्वस्य प्रभुमीशानं नात्यडिञ्चिन्तमं स्तवैः ।

ध्यात्वा हृत्पङ्कजे देवमुमया सहितं शिवम् ॥ २८ ॥


॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते शैगीषव्यप्रोक्तं शिवनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । बीमाष्यः अष्टमांशः । अध्यायः १ शैगीषव्यप्रश्ने स्कन्धानम् । १७-२८ ॥


- .. shrIshivarahasyam . bhImAkhyaH aShTamAMshaH . adhyAyaH 1 jaigIshavyaprashne  
skandadhyAnam . 17-28..

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Jaigishavyaproktam Shivanama Stotram*

pdf was typeset on July 5, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

